

सहस्रेक्षण पुं. (तत्.) हजार आँखों वाला इंद्र।

सहस्रगु वि. (तत्.) हजार गायों वाला। हजार किरणों वाला, सूर्य, हजार नेत्रों वाला, इंद्र पुं. इंद्र।

सहस्रचक्षु वि. (तत्.) हजार नेत्रों वाला पुं. इंद्र।

सहस्रचरण पुं. (तत्.) विष्णु वि. हजार चरणों वाला।

सहस्रजित पुं. (तत्.) 1. विष्णु 2. कृष्ण का एक पुत्र 3. कस्तूरी, मृगमद वि. हजार यौद्धाओं को जीतने वाला।

सहस्रणी पुं. (तत्.) भीष्म, हजारों रथियों की रक्षा करने वाला वि. हजार व्यक्तियों का नेतृत्व करने वाला।

सहस्रदंष्ट्रा स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की मछली जिसके मुँह में बहुत अधिक दाँत होते हैं।

सहस्रद पुं. (तत्.) शिव वि. हजार गौएँ देने वाला, बहुत बड़ा दानी।

सहस्रदल पुं. (तत्.) शतदल, कमल, हजार दलों/पंखुडियों वाला, मस्तक के ऊपरी भाग में स्थित 'शून्य चक्र' (हठयोग), सहस्रदल कमल।

सहस्रदृक्(श) पुं. (तत्.) इंद्र, विष्णु।

सहस्रधारा स्त्री. (तत्.) देवताओं आदि के स्नान के लिए बना हुआ हजार छिद्रों वाला पात्र।

सहस्रधी वि. (तत्.) बहुत चतुर, बहुत बड़ा विद्वान।

सहस्रधीत वि. (तत्.) हजार बार धोया हुआ पुं. हजार बार शुद्ध किया गया घी जो औषध के रूप में व्यवहार में लाया जाता है।

सहस्रनयन पुं. (तत्.) विष्णु, इंद्र।

सहस्रनाम पुं. (तत्.) विष्णु, शिव आदि किसी देवता के हजार नामों वाला स्तोत्र जैसे- शिवसहस्रनाम, विष्णुसहस्रनाम आदि।

सहस्रनामा वि. (तत्.) हजार नामों वाला पुं. 1. विष्णु, 2. शिव 3. अमलबेंत।

सहस्रनेत्र पुं. (तत्.) 1. विष्णु 2. इंद्र।

सहस्रपति पुं. (तत्.) प्राचीन भारत में हजार गाँवों का स्वामी अथवा शासक।

सहस्रपत्र पुं. (तत्.) 1. कमलपत्र 2. एक पर्वत।

सहस्रपाद पुं. (तत्.) 1. विष्णु 2. शिव 3. महाभारत के एक ऋषि 4. एक प्रकार का जल पक्षी, कारंड, सारस।

सहस्रबाहु पुं. (तत्.) कार्तवीर्यार्जुन अथवा हैहयराज का एक नाम बाणासुर 2. शिव 3. राजा बलि के सबसे बड़े पुत्र का नाम।

सहस्रभागवती स्त्री. (तत्.) देवी की एक मूर्ति।

सहस्रभुज पुं. (तत्.) 1. विष्णु 2. एक गंधर्व वि. हजार भुजाओं वाला।

सहस्रभुजा स्त्री. (तत्.) दुर्गा, महालक्ष्मी, देवी का हजार बाहों वाला रूप जो महिषासुर का वध करने के लिए धारण किया था।

सहस्रमूर्ति पुं. (तत्.) विष्णु वि. हजार मुखों वाला।

सहस्रमूर्ध पुं. (तत्.) 1. विष्णु 2. शिव।

सहस्रमूलिका स्त्री. (तत्.) 1. कांडपत्री 2. बड़ी 3. शतावर 3. मुद्गापर्णी, बनमूँग।

सहस्रमौलि पुं. (तत्.) विष्णु, अनंतदेव का एक नाम।

सहस्ररश्मि पुं. (तत्.) हजार किरणों वाला, सूर्य।

सहस्रलोचन पुं. (तत्.) 1. इंद्र 2. विष्णु।

सहस्रवीर्य पुं. (तत्.) बहुत बड़ा बलवान, शक्तिशाली, ताकतवर।

सहस्रशः अव्य. (तत्.) हजारों तरह से वि. कई हजार, हजारों।

सहस्रशाख वि. (तत्.) हजार शाखाओं वाला (वेद)।

सहस्रशिखर वि. (तत्.) हजार चोटियों वाला पु. विंध्य पर्वत।

सहस्रशीर्ष पुं. (तत्.) विष्णु वि. हजार सिरों वाला, शेषनाग।

सहस्रश्रुति पुं. (तत्.) पुराणों के अनुसार जंबूद्वीप का एक वर्ष-पर्वत।